है जिस के ऊपर मांगे राम ने आपत्ति की है ।

4. A most scandalous interference by the Lt. Governor has been in regard to the recovery of the sales-tax charged by the silk traders to the customers. This amount of sales-tax arrears exceeds Rs. 5 crores.

मांगे राम जी चाहते थे कि इस को वसूल किया जाय क्यों कि जब कस्टमर से लिया है और कानून के अनुसार है तो इस का डिफाल्ट इन की राय में अपराध था। लेकिन लेफ्टिनेंट गवर्नर बीच में पडे और उन्होंने सिल्क के इन व्यापारियों को माफ किया। यह उन्होने नही कहा है लेकिन मुझे जानकारी है कि सिल्क ट्रेडर्सने यह कहा है कि सत्ताधारी दल को 50 लाख रुपये डोनेशन दे देंगे। मांगे राम जी ने इस के ऊपर भी आपत्ति की।

एक और भी विषय के ऊपर मांगे राम जी ने आपत्ति की कि दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन मे जो डिफेक्शन करवाए गए इस के बारे मे केवल विरोध पक्ष के लोग ही नही, मांगे राम जी जो कांग्रेस पार्टी के और कार्य-समिति के सदस्य थे उन्होंने भी कहा कि डिफेक्शन के आधार पर काम करना ठीक नही है। पहले डिफेक्शन करवाया, बाद में म्युनिसिपल कारपोरेशन को सुपरसीड करवाया —इस का भी उन्होंने विरोध किया।

इस लिये, अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि आप गृह मंत्री जी को आदेश दें कि वे यहा पर वक्तव्य दें। जहा तक स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन-वाला मामला है या सिल्कवालों का मामला है, यह गृह मंत्री जी के पास भी गया था और उन्होंने मांगे राम जी का समर्थन किया था, फिर भी लैफ्टीनेन्ट गवर्नर ने मनमाने ढंग से काम किया, स्वायत्तता और लोकतन्त्र दोनों दिल्ली प्रशासन में मखौल बन गया है। हम लोगों ने कानून पास किया था, इस लिये हम लोग चिन्तित है, वैसे ही उन को सीमित अधिकार मिले हैं, लेकिन उस के ऊपर भी इस तरह से अतिक्रमण किया जायगा तो यह सदन इस को बरदाश्त नही करेगा।

मैने जो चार-पाच उदाहरण दिये है, इन में ला एण्ड आर्डर का उदाहरण नही है, नई दिल्ली म्युनिसिपल कमेटी का उदाहरण नहीं है, ये सारे विषय कार्यसमिति के अधिकार क्षेत्र में थे, लेकिन जब लेफटीनेन्ट गवर्नर इन पर आक्रमण करता है तो आप लोग इस को कैसे बरदाश्त करते है। इस लिये मैं माग कर रहा हू कि इस मामले की पूरी जाच हो और गृह मंत्री महोदय इस पर वक्तव्य दे, दरमियानी अर्से मे इस लेफटीनेन्ट गवर्नर को बरखास्त कर दिया जाय।

(ii) Shortage of drinking water in Madras and Madurai cities.

SHRI R. V. SWAMINATHAN (Madurai): Sir, I want to raise a very important matter regarding the extraordinary situation which prevails in the city of Madras and Madurai on account of the acute shortage of drinking water. Sir, this has also been highlighted in yesterday's T.V. and All India Radio programmes. I may say as far as the situation of water supply in the city of Madras is concerned it is a complete breakdown and the problem is beyond the reach of the local Government and the Corporation authorities. They are not able to cope with the situation. Many people do not get water for three to four days together The situation should be tackled by the Government of India and the help of the Army may be sought for this by deploying Army rigs. The Government of India should save Tamil Nadu. A very heavy power-cut to the tune of 75 per cent has been imposed. I appeal to the Government to tackle this problem urgently and

[Shri R. V. Swaminathan]

very seriously and they should call for a report from the State Government.

(iii) Need for encouraging a student from U.P. who topped in an academic test in Pondicherry.

श्री स्वामी सहजानन्दजी (हमीरपुर) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश का मेरे क्षेत्र तथा कालिज का एक छात्र है—छक्की लाल इन्दीवर यादव, जिस की उम्र 17 वर्ष की है। वह दसवें दर्जे की परीक्षा में सारे उत्तर प्रदेश में फर्स्ट आया, इन्टर की परीक्षा में सारे उत्तर प्रदेश में फर्स्ट आया। उस के बाद एक अध्यात्म विज्ञान की परीक्षा हुई, जिस में किसी समय भाभा जी भी बैठे थे, उस परीक्षा के पांच सेन्टर्स है, एक सैन्टर पाण्डिचेरी में है, उस परीक्षा में भी वह बैठा। इस परीक्षा में 9 लाख परीक्षार्थि थे, जिन में से केवल 150 उत्तीर्ण हुए और उन 150 लडकों में यह लडका भी उत्तीर्ण हुआ। यह ऐसा बुद्धिमान लडका है कि आज तक जिस परीक्षा को इस लडके ने दिया उस में फर्स्ट आया, जिस परीक्षा का मै जिक्र कर रहा हू उस परीक्षा मे भाभा जी सैकेण्ड आये थे, लेकिन यह लडका फर्स्ट आया।

यहां इस बात को उठाने का मेरा तात्पर्य यह है कि सरकार को ऐसे लड़के को सम्मान देना चाहिये, लेकिन यहां उस को कोई भी नही जानता, मेरे कहने से आप लोगों को पता लगेगा। सरकार इस मामले में क्या करती है, इन का रेडियो विभाग क्या करता है। आज दूसरे देशों में जो लडके उत्तीर्ण हुए हैं उन को सम्मान दिया जा रहा है, यद्यपि उन छात्रों ने इस क्षात्र से कए अंक प्राप्त किये है। जापान के लड़कों को उन का देश सम्मान दे रहा है, लेकिन यहा इसका कोई उल्लेख तक नही है। उस को जापानवाले अपने यहा बुला रहे हैं, अमरीकावाले अपने यहां बुला रहे हैं, जब अपना देश ही ऐसे मेधावी लड़के का कोई ख्याल नहीं रखता है तो फिर—आत्मा सर्व भूतेषु—सारा विश्व ही मेरा कुटुम्ब है, वह भी दूसरी जगह जा सकता है और यही कारण है कि आज बड़े अच्छे-अच्छे लड़के दूसरे देशों को चले जा रहे है।

हमारे राष्ट्रपति जी को ऐसे लड़के को सम्मान देना चाहिये। जब मैंने कल बहुगुणा जी से कहा तो उन को बहुत खुशी हुई और उन्होंने कहा कि हम ऐसे लडके को जरूर सम्मान देंगे। मै आप से यह भी निवेदन कर दूं कि यह लड़का बहुत गरीब परिवार का लडका है, इतना गरीब है कि मेरे कालिज के प्रिन्सिपल के यहां खाता-पीता था। जब मुझे-मालूम हुआ तो फिर मैंने उस की मदद की और मै ऐसा समझता हू कि आगे चल कर यह लडका बहुत बुद्धिमान निकलेगा। कबीर भी गरीब घर के थे और गुरुनानक देव जी भी गरीब घर के थे, लेकिन बाद में महापुरुष बने। इस लिये मेरा कहना है कि ऐसे बच्चों की तरफ विशेष ध्यान दिया जाय।

अध्यक्ष महोदय : इस मे प्रश्न क्या उठा।

12.38 Hrs

DEMANDS* FOR GRANTS, 1975-76—Contd.

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

MR SPEAKER: The House will now take up discussion and voting on Demand Nos. 58 to 61 relating to the Ministry of

---

*Moved with the recommendation of the President.